

**Signature and Name of Invigilator**

1. (Signature) \_\_\_\_\_  
(Name) \_\_\_\_\_
2. (Signature) \_\_\_\_\_  
(Name) \_\_\_\_\_

OMR Sheet No. : .....  
(To be filled by the Candidate)

Roll No. 

--	--	--	--	--	--	--	--

  
(In figures as per admission card)

Roll No. \_\_\_\_\_  
(In words)

**D 3 3 1 5**

**PAPER - II**  
**DOGRI**

[Maximum Marks : 100]

Time : 1¼ hours]

Number of Pages in this Booklet : 16

Number of Questions in this Booklet : 50

**Instructions for the Candidates**

- Write your roll number in the space provided on the top of this page.
- This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
- At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
  - To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
  - Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
  - After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered on the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
- Each item has four alternative responses marked (1), (2), (3) and (4). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.  
**Example :** ① ② ● ④ where (3) is the correct response.
- Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only**. If you mark your response at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
- Read instructions given inside carefully.
- Rough Work is to be done in the end of this booklet.
- If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
- You have to return the original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are however, allowed to carry original question booklet and duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
- Use only Blue/Black Ball point pen.
- Use of any calculator or log table etc., is prohibited.
- There are no negative marks for incorrect answers.

**परीक्षार्थियों के लिए निर्देश**

- इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
- इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं।
- परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
  - प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
  - कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
  - इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका का नंबर OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक का नंबर इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें।
- प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (1), (2), (3) तथा (4) दिये गये हैं। आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है।  
**उदाहरण :** ① ② ● ④ जबकि (3) सही उत्तर है।
- प्रश्नों के उत्तर केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही अंकित करने हैं। यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिन्हांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा।
- अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
- कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें।
- यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं।
- आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें। हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं।
- केवल नीले/काले बाल प्वाइंट पेन का ही इस्तेमाल करें।
- किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।
- गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं।



DOGRI

डोगरी

Paper - II

प्रश्नपत्र - II

**Note :** This paper contains **fifty (50)** objective type questions, each question carrying **two (2)** marks. Attempt **all** the questions.

**नोट :** इस पेपर च **पंजाह (50)** मते विकल्पी सुआल न। हर सुआलै दे **दो (2)** नंबर न। **सभनें** सुआले दे परते देओ।

1. वाणी संपादन ऐ ते संपादन च :

(a) घट्टो-घट्ट दो हिस्से होंदे न।

(b) बद्धोबद्ध चार हिस्से होंदे न।

(c) बोलने आहले दा प्रेशन-ढांचा जरूरी होंदा ऐ।

(d) सुनने आहले दा ग्रैहण-ढांचा जरूरी होंदा ऐ।

(1) (a), (c) ते (d) ठीक न।

(2) (b), (c) ते (d) ठीक न।

(3) (a) ते (c) ठीक न।

(4) (b) ते (d) ठीक न।

2. पैहली चंदी च दिती दिये प्रविष्टिये दा दूई चंदी च दिती दिये प्रविष्टिये कन्नै स्हेई मिलान करो :

**चंदी - I**

(a) द्रविड़ भाशा-परोआर

(b) चीनी भाशा-परोआर

(c) भारोपीय भाशा-परोआर

(d) हैमेटिक सैमेटिक भाशां

**चंदी - II**

(i) अवेस्ता, लैटिन

(ii) श्लिष्ट योगात्मक

(iii) तमिल

(iv) इक-अक्खरी भाशा-परोआर

**कोड :**

**(a) (b) (c) (d)**

(1) (iv) (iii) (ii) (i)

(2) (i) (ii) (iii) (iv)

(3) (iii) (iv) (i) (ii)

(4) (iii) (i) (ii) (iv)



3. समानाधिकरण सरबंध दे यौगिक, वैकल्पिक, बरोध-सूचक ते परिणाम-सूचक उपसरबंधे दे क्रम दे स्हाबे इ 'ने' समुच्चयबोधक अव्यये दा स्हेई क्रम ऐ :

- (1) भाएं, ते फही, ब, इस आस्तै (2) इस आस्तै, ब, भाएं, ते फही  
(3) ते फही, इस आस्तै, ब, भाएं (4) ते फही, भाएं, ब, इस आस्तै

4. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी (A) ( असर्शन ) यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) ( रीजन ) यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) : मिश्रत वाक्य च इक उपवाक्य मुख् होंदा ऐ ते बाकी दे उसदे आश्रत।

(R) : आश्रत उपवाक्य मुख् उपवाक्य दे भाव दी गै पूर्ति करदे न।

- (1) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या ऐ।  
(2) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या नेई।  
(3) (A) ठीक ऐ ते (R) गलत ऐ।  
(4) (A) गलत ऐ ते (R) ठीक ऐ।

5. “डोगरी भाषा : उद्भव और विकास” पुस्तक लिखी दी ऐ :

- (1) डॉ. वीणा गुप्ता ने (2) डॉ. शशि पठानिया ने  
(3) डॉ. बालकृष्ण शास्त्री ने (4) डॉ. वेद कुमारी घई ने

6. ‘उन्ने’ पद :

- (a) सर्वनाम ऐ। (b) विशेषण ऐ। (c) परिमाण सूचक ऐ। (d) पुरुष सूचक ऐ।  
(1) (a) ते (c) ठीक न। (2) (a) ते (d) ठीक न।  
(3) (b) ते (c) ठीक न। (4) (b) ते (d) ठीक न।



7. पैहली चंदी च दिती दिये प्रविष्टिये दा दूई चंदी च दिती दिये प्रविष्टिये कत्रे स्हेई मिलान करो :

चंदी - I

- (a) चरखे
- (b) गवे
- (c) गवै
- (d) सपाहिये

चंदी - II

- (i) पुलिंग बहुवचन तिर्यक्
- (ii) स्त्रीलिंग इकवचन तिर्यक्
- (iii) पुलिंग इकवचन तिर्यक्
- (iv) स्त्रीलिंग इकवचन संबोधन

कोड :

(a) (b) (c) (d)

- (1) (ii) (iv) (i) (iii)
- (2) (iii) (iv) (ii) (i)
- (3) (iv) (iii) (i) (ii)
- (4) (iii) (i) (iv) (ii)

8. दिशा सूचक, साधन सूचक, नमित्त सूचक ते साथ सूचक क्रम दे स्हाबे इं'दे संबंघ-सूचक अव्यये दा स्हेई क्रम ऐ :

- (1) बदौलत, बक्खी, लेखै, कत्रे
- (2) बक्खी, कत्रे, बदौलत, लेखै
- (3) बक्खी, बदौलत, लेखै, कत्रे
- (4) लेखै, कत्रे, बक्खी, बदौलत

9. हेठ दो कथन दिते गेदे न। इक गी (A) ( असर्शन ) यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) ( रीजन ) यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) : डोगरी ते हिंदी दौने भाशाएं दे लेखन च घ, झ, ढ, ध, भ आदि वर्ण बरतोदे न।

(R) : दौने च इं'दा उच्चारण इक्कै जनेहा ए।

- (1) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या ऐ।
- (2) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या नेई।
- (3) (A) ठीक ऐ ते (R) गलत ऐ।
- (4) (A) गलत ऐ ते (R) ठीक ऐ।

10. 'बडेरना' क्रिया :

- (1) संयुक्त क्रिया ऐ।
- (2) अकर्मक क्रिया ऐ।
- (3) सहायक क्रिया ऐ।
- (4) नामधातु थमां बनी दी क्रिया ऐ।



11. डोगरी कविता च प्रगतिवाद दा चित्रण ऐ :

- |                                    |   |
|------------------------------------|---|
| (a) दीनू भाई पंत दी कविता च।       | (b) वेदपाल दीप दी कविता च।              |
| (c) रघुनाथ सिंह सम्थाल दी कविता च। | (d) स्वामी ब्रह्मानंद तीर्थ दी कविता च। |
| (1) (a) ते (c) ठीक न।              | (2) (a), (b) ते (c) ठीक न।              |
| (3) (a), (b) ते (d) ठीक न।         | (4) (a) ते (b) ठीक न।                   |

12. पैहली चंदी च दिती दियें प्रविष्टियें दा दूर्इ चंदी च दिती दियें प्रविष्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

**चंदी - I**

**चंदी - II**

- |                   |                      |
|-------------------|----------------------|
| (a) सरगम          | (i) तारा स्मैलपुरी   |
| (b) जीवन लैहरां   | (ii) राम लाल शर्मा   |
| (c) बट्टोतार      | (iii) इन्द्रजीत केसर |
| (d) चेतें दा चानन | (iv) वेद राही        |

**कोड :**

- |     | (a)  | (b)   | (c)   | (d)   |
|-----|------|-------|-------|-------|
| (1) | (i)  | (iii) | (iv)  | (ii)  |
| (2) | (ii) | (i)   | (iv)  | (iii) |
| (3) | (i)  | (ii)  | (iii) | (iv)  |
| (4) | (i)  | (iv)  | (ii)  | (iii) |

13. सुरेन्द्र सिंह मन्हास, विजय शर्मा, वीरेन्द्र केसर, ते चम्पा शर्मा कवियें दे क्रम दे स्हाबें इं'दी रचनाएं दा स्हेई क्रम ऐ :

- (1) निग्घे रंग, ज्याणें लेई, निग्घे हास्से बिसली पीड़ ते, चेतें दी र्होल।
- (2) चेतें दी र्होल, निग्घे रंग, ज्याणें लेई, निग्घे हास्से बिसली पीड़।
- (3) निग्घे हास्से बिसली पीड़, ज्याणें लेई, निग्घे रंग ते चेतें दी र्होल।
- (4) ज्याणें लेई, निग्घे हास्से बिसली पीड़, निग्घे रंग ते चेतें दी र्होल।

14. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी (A) ( असर्शन ) यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) ( रीजन ) यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) : कुसै भाशा च महाकाव्य उसदी समृद्धि ते परिपक्वता दी नशानी होंदा ऐ। इस स्हाबें डोगरी च कोई खास महाकाव्य नेई लखोए दे न।

(R) : एह कथन पूरा सच्च नेई दसदा कीजे डोगरी च किश शैल-शैल महाकाव्य बी लखोए दे न।

- (1) (A) ते (R) दोए ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या ऐ।
- (2) (A) ते (R) दोए ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या नेई ऐ।
- (3) (A) ठीक ऐ पर (R) गलत ऐ।
- (4) (A) गलत ऐ पर (R) ठीक ऐ।



15. इंदे चा गजल संग्रैह ऐ :

- |            |                              |
|------------|------------------------------|
| (1) निहालप | (2) न्हेरियां ग'लियां        |
| (3) आस     | (4) कोरे काकल कोरियां तलियां |

16. डोगरी च तवील शैली दी कहानी :

- |                            |                                     |
|----------------------------|-------------------------------------|
| (a) दे लेखक न शिव मैहता।   | (b) दे लेखक न ओम गोस्वामी।          |
| (c) दा संग्रैह ऐ 'भान'।    | (d) दा संग्रैह ऐ 'सुन्ने दी चिड़ी'। |
| (1) (a), (c) ते (d) ठीक न। | (2) (a) ते (c) ठीक न।               |
| (3) (b) ते (d) ठीक न।      | (4) (b), (c) ते (d) ठीक न।          |

17. पैहली चंदी च दिती दिये प्रविश्टिये दा दूई चंदी च दिती दिये प्रविश्टिये कन्नै स्हेई मिलान करो :

**चंदी - I**

- (a) हट्टू
- (b) देबू चाचा
- (c) सोमनाथ
- (d) बचित्तर सिंह

**चंदी - II**

- (i) बरमी
- (ii) स्कोर
- (iii) अज्ञातबासी
- (iv) किले दा कैद्दी

**कोड :**

- |     | (a)  | (b)   | (c)   | (d)   |
|-----|------|-------|-------|-------|
| (1) | (iv) | (iii) | (i)   | (ii)  |
| (2) | (ii) | (iv)  | (iii) | (i)   |
| (3) | (i)  | (ii)  | (iv)  | (iii) |
| (4) | (iv) | (iii) | (ii)  | (i)   |

18. निर्वासन, नारी जागृति, लद्दाख दा सांस्कृतिक वातावरण ते परिस्थिति दी मार विशेचित्रण दे क्रम दे स्हाबें इंदी कहानिये दा स्हेई क्रम ऐ :

- (1) बलकाक ते नोनो, धोखा, ठंड, होर केह करदी
- (2) होर केह करदी, धोखा, ठंड, बलकाक ते नोनो
- (3) बलकाक ते नोनो, होर केह करदी, ठंड, धोखा
- (4) धोखा, होर केह करदी, ठंड, बलकाक ते नोनो



19. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी (A) ( असर्शन ) यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) ( रीज़न ) यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) : आधुनिक डोगरी कहानी -लेखन च महिला लेखक बी सक्रिय योगदान देऐ करदे न।

(R) : सुक्खन, पिंजरा, जंगल दी सैख्ते काली गंगा महिला लेखकें दे गी कहानी संकलन न।

(1) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या ऐ।

(2) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या नेई ऐ।

(3) (A) ठीक ऐ ते (R) गलत ऐ।

(4) (A) गलत ऐ ते (R) ठीक ऐ।

20. इंदे च बाल-मजूरी दी समस्या पर अधारत उपन्यास ऐ :

(1) फही केह होआ? (2) भुक्ख (3) सेवाधनी (4) चरखड़ी

21. इंदे चा ओ.पी. शर्मा विद्यार्थी हुंदियां गद्य पुस्तकां न :

(a) निक्के-निक्के निबंध (b) कुदरत दे रंग

(c) चेतें दिया ग'लियां (d) कश्मीर, लद्दाख ते पाडर

(1) (a), (c) ते (d) ठीक न। (2) (b), (c) ते (d) ठीक न।

(3) (a), (b) ते (c) ठीक न। (4) (a), (b) ते (d) ठीक न।



22. पैहली चंदी च दिती दियें प्रविष्टियें दा दूई चंदी च दिती दियें प्रविष्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी - I

- (a) चाचू मंगल
- (b) भागें दे फेर
- (c) भाग रेखा
- (d) लारे

चंदी - II

- (i) प्रो. चम्पा शर्मा
- (ii) प्रो. लक्ष्मी नारायण
- (iii) विश्वनाथ खजूरिया
- (iv) प्रो. शक्ति शर्मा

कोड :

- |     | (a)   | (b)   | (c)  | (d)   |
|-----|-------|-------|------|-------|
| (1) | (ii)  | (iii) | (i)  | (iv)  |
| (2) | (i)   | (iv)  | (ii) | (iii) |
| (3) | (ii)  | (iv)  | (i)  | (iii) |
| (4) | (iii) | (ii)  | (iv) | (i)   |

23. प्रकाशन बरि दे स्हाबें - तील्लें दे घाट, डोगरी निबंधावली, नमें निबंध, मेरी मित्ती दे खतोले - गद्य पुस्तकें दा स्हेई क्रम ऐ :

- (1) मेरी मित्ती दे खतोले, तील्लें दे घाट, नमें निबंध ते डोगरी निबंधावली।
- (2) डोगरी निबंधावली, मेरी मित्ती दे खतोले, तील्लें दे घाट ते नमें निबंध।
- (3) डोगरी निबंधावली, नमें निबंध, तील्लें दे घाट ते मेरी मित्ती दे खतोले।
- (4) मेरी मित्ती दे खतोले, डोगरी निबंधावली, नमें निबंध ते तील्लें दे घाट।

24. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी (A) ( असर्शन ) यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) ( रीजन ) यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) : संस्मरण लेखक दा निजि अनुभव होंदा ऐ।

(R) : इसदी सच्चाई असल नेई होंदी।

- (1) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या ऐ।
- (2) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या नेई ऐ।
- (3) (A) ठीक ऐ ते (R) गलत ऐ।
- (4) (A) गलत ऐ ते (R) ठीक ऐ।





25. निबंध गी गद्य दी कसौटी गलाए दा ऐ :

- |                                       |                                 |
|---------------------------------------|---------------------------------|
| (1) आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी ने। | (2) हजारी प्रसाद द्विवेदी ने।   |
| (3) बावू गुलाव राय ने।                | (4) आचार्य राम चन्द्र शुक्ल ने। |

26. नदी अग्ग दी ते यक्ष प्रश्न :

- |                                |                                       |
|--------------------------------|---------------------------------------|
| (a) डोगरी च अनूदित नाटक ऐ।     | (b) ओम गोस्वामी हुंदा रंगमंची नाटक ऐ। |
| (c) दा प्रकाशन ब'रा 2011 ई. ऐ। | (d) दा प्रकाशन ब'रा 2012 ई. ऐ।        |
| (1) (a), (b) ते (c) ठीक न।     | (2) (a), (b) ते (d) ठीक न।            |
| (3) (b) ते (c) ठीक न।          | (4) (b) ते (d) ठीक न।                 |

27. पैहली चंदी च दिती दिये प्रविष्टिये दा दूई चंदी च दिती दिये प्रविष्टिये कन्नै स्हेई मिलान करो :

**चंदी - I**

**चंदी - II**

- |                                  |                           |
|----------------------------------|---------------------------|
| (a) लोक सेवा ते नरसिंघे दी सत्ता | (i) राज राही              |
| (b) बिसियर                       | (ii) नरसिंह देव जम्वाल    |
| (c) मदारी                        | (iii) शिवदेव सुशील        |
| (d) महा बलिदान                   | (iv) देशबंधु डोगरा 'नूतन' |

**कोड :**

- |          |       |      |       |
|----------|-------|------|-------|
| (a)      | (b)   | (c)  | (d)   |
| (1) (iv) | (ii)  | (i)  | (iii) |
| (2) (iv) | (i)   | (ii) | (iii) |
| (3) (i)  | (iii) | (iv) | (ii)  |
| (4) (ii) | (iv)  | (i)  | (iii) |

28. प्रकाशन ब'रि द स्हाबें पंज-कल्याणी, सवा सेर कनक, बावा सुरगल, कौड़े घुट्ट नाटक पोथिये दा स्हेई क्रम ऐ :

- (1) सवा सेर कनक, बावा सुरगल, कौड़े घुट्ट, पंज-कल्याणी
- (2) कौड़े घुट्ट, पंज-कल्याणी, सवा सेर कनक, बावा सुरगल
- (3) सवा सेर कनक, बावा सुरगल, कौड़े घुट्ट, पंज-कल्याणी
- (4) पंज-कल्याणी, कौड़े घुट्ट, सवा सेर कनक, बावा सुरगल



29. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी (A) ( असर्शन ) यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) ( रीज़न ) यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) : डोगरी रंगमंच गी अपना जोगदान देने च दूर-दरेडे ग्राएं-पिंडें दे रामलीला क्लब बी पिच्छै निं हैन।

(R) : अपनी समर्थ ते समझा मताबक उ'नें बी गाहे-बगाहे डोगरी नाटक खेढने दे सफल जतन कीते न।

- (1) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या ऐ।
- (2) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या नेई ऐ।
- (3) (A) ठीक ऐ पर (R) गलत ऐ।
- (4) (A) गलत ऐ पर (R) ठीक ऐ।

30. 'रामलीला नाटक' दा प्रकाशन ब'रा ऐ :

- (1) सन् 1987 ई.
- (2) सन् 1989 ई.
- (3) सन् 1985 ई.
- (4) सन् 1999 ई.

31. 'क्रोध' स्थाई भाव दे विरोधी रस न :

- (a) हास्य रस
  - (b) शंगार रस
  - (c) रौद्र रस
  - (d) भयानक रस
- (1) (a), (b) ते (d) ठीक न।
  - (2) (b), (c) ते (d) ठीक न।
  - (3) (a), (c) ते (d) ठीक न।
  - (4) (a), (b) ते (c) ठीक न।

32. पैहली चंदी च दित्ती दियें प्रविष्टियें दा दूर्ई चंदी च दित्ती दियें प्रविष्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी - I

- (a) आलोचना
- (b) समीक्षा
- (c) समालोचना
- (d) टिप्पणी

चंदी - II

- (i) संतुलित व्याख्या दी इच्छा करना
- (ii) संक्षिप्त लेख
- (iii) गुण-दोशें दी व्याख्या करना
- (iv) गुण-दोशें दी संतुलित व्याख्या

कोड :

- |     | (a)   | (b)   | (c)  | (d)   |
|-----|-------|-------|------|-------|
| (1) | (iv)  | (ii)  | (i)  | (iii) |
| (2) | (iii) | (ii)  | (iv) | (i)   |
| (3) | (iv)  | (iii) | (ii) | (i)   |
| (4) | (iii) | (i)   | (iv) | (ii)  |



33. प्रकाशन ब'रे- 1993, 1997, 1998 ते 2000 क्रम दे स्हाबें हेठ दिती गेदी पुस्तकें दा स्हेई क्रम ऐ :
- (1) डोगरी कविता: प्रमुख रुझान, डोगरी साहित्य च युग चेतना, पसंद अपनी-अपनी ते परख पड़ताल।
  - (2) परख पड़ताल, पसंद अपनी-अपनी, डोगरी कविता: प्रमुख रुझान ते डोगरी साहित्य च युग चेतना।
  - (3) परख पड़ताल, पसंद अपनी-अपनी, डोगरी साहित्य च युग चेतना ते डोगरी कविता: प्रमुख रुझान।
  - (4) डोगरी कविता: प्रमुख रुझान, डोगरी साहित्य च युग चेतना, परख पड़ताल ते पसंद अपनी-अपनी।
34. हेठ दो कथन दिते गेदे न। इक गी (A) ( असर्शन ) यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) ( रीजन ) यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :
- (A) : प्रतीकवाद अभिव्यंजनावाद दे सिद्धांत कन्नै बी सांझ बंडांदा सेही होंदा ऐ।
- (R) : प्रतीक प्रयोग कन्नै कौई बी अभिव्यक्ति मती सूखम, सरोखड़ ते संक्षिप्त बनी जंदी ऐ।
- (1) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या ऐ।
  - (2) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या नेई ऐ।
  - (3) (A) ठीक ऐ ते (R) गलत ऐ।
  - (4) (A) गलत ऐ ते (R) ठीक ऐ।
35. 'साहित्य जीवन दी आलोचना' गलाए दा ऐ :
- (1) अभिनव गुप्त ने।
  - (2) फ्लावेयर ने।
  - (3) मैथ्यू आर्नल्ड ने।
  - (4) मलार्मे ने।
36. खुआन :
- (a) भाशा गी बा-असर ते रोचक बनांदे न।
  - (b) कुसै समाज बौर म्हत्तवपूर्ण जानकारी दिंदे न।
  - (c) शैहरी समाज च गै बरतोंदे न।
  - (d) मनुक्खी ज्ञान ते तजरबें दा प्रतक्ख रूप होंदे न।
- (1) (a), (b) ते (c) ठीक न।
  - (2) (b), (c) ते (d) ठीक न।
  - (3) (a), ते (b) ठीक न।
  - (4) (a), (b) ते (d) ठीक न।



37. पैहली चंदी च दिती दिये प्रविष्टिये दा दूई चंदी च दिती दिये प्रविष्टिये कत्रै स्हेई मिलान करो :

**चंदी - I**

- (a) अलगोजा
- (b) नगाड़ा
- (c) तंबूरा
- (d) कैह दी थाली

**चंदी - II**

- (i) फूक - वाद्य यंत्र
- (ii) ताल - वाद्य यंत्र
- (iii) खल्ल - वाद्य यंत्र
- (iv) तार - वाद्य यंत्र

**कोड :**

**(a) (b) (c) (d)**

- (1) (ii) (iv) (iii) (i)
- (2) (iii) (i) (ii) (iv)
- (3) (i) (iii) (iv) (ii)
- (4) (iv) (iii) (ii) (i)

38. विक्रमी संवत दे स्हाबे मनाए जाने आहले ध्यारे दा स्हेई क्रम ऐ :

- (1) गुग्गा-नौमीं, रक्खड़ी, होली, बसाखी
- (2) बसाखी, होली, गुग्गा-नौमीं, रक्खड़ी
- (3) रक्खड़ी, बसाखी, होली, गुग्गा-नौमीं
- (4) बसाखी, रक्खड़ी, गुग्गा-नौमीं, होली

39. हेठ दो कथन दिते गेदे न। इक गी (A) ( असर्शन ) यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) ( रीजन ) यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) : वेदे गी लिखियै पढ़ेदे तां स्वर भंग होई जंदा ते अर्थ भंग बी। तां गै उ'नेंगी श्रुति आखेदे न।

(R) : नां गै वेद लिखत रूप च रचोए ते नां गै लोक गीत।

- (1) (A) ते (R) दोए ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या ऐ।
- (2) (A) ते (R) दोए ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या नेई ऐ।
- (3) (A) ठीक ऐ पर (R) गलत ऐ।
- (4) (A) गलत ऐ पर (R) ठीक ऐ।

40. 'गाथा गीत च आखी गेदी कथा ऐ।' एह परिभाषा ऐ :

- (1) जी.एल. कितरेज हुंदी।
- (2) डॉ. मुर्से हुंदी।
- (3) वासुदेव शरण अग्रवाल हुंदी।
- (4) फ्रैंक सिद्विक हुंदी।



41. अनूदित उपन्यास 'उमराओ जान अदा' दे पात्र न :

- (a) दलावर खां (b) हसीना शेख (c) गौहर मिर्जा (d) बिस्मिल्ला खानम  
(1) (a), (b) ते (c) ठीक न। (2) (b), (c) ते (d) ठीक न।  
(3) (a), (c) ते (d) ठीक न। (4) (a), (b) ते (d) ठीक न।

42. पैहली चंदी च दिती दिये प्रविश्टिये दा दूई चंदी च दिती दिये प्रविश्टिये कत्रै स्हेई मिलान करो :

**चंदी - I**

**चंदी - II**

- (a) जदीद भारती कहानियां (i) श्याम लाल शर्मा  
(b) भारती कहानियां (ii) केहरि सिंह मधुकर ते नरेन्द्र खजूरिया  
(c) हितोपदेश (iii) ओम गोस्वामी  
(d) बताल पचीसी (iv) हरिवंशलाल चोपड़ा ते मदन मगोत्रा

**कोड :**

- |     | (a)   | (b)  | (c)  | (d)   |
|-----|-------|------|------|-------|
| (1) | (ii)  | (i)  | (iv) | (iii) |
| (2) | (iii) | (iv) | (i)  | (ii)  |
| (3) | (iii) | (ii) | (iv) | (i)   |
| (4) | (ii)  | (iv) | (i)  | (iii) |

43. कश्मीरी, हिंदी, उड़िया ते मराठी-भाशाएं दे क्रम दे स्हाबें हेठ दिती दिये अनूदित पुस्तके दा स्हेई क्रम ऐ :

- (1) बरसगंढे दी धुप्प, सत्त कींगरे, सलाम ते अक्खर गास  
(2) सत्त कींगरे, बरसगंढे दी धुप्प, अक्खर गास ते सलाम  
(3) सलाम, बरसगंढे दी धुप्प, अक्खर गास ते सत्त कींगरे  
(4) सलाम, सत्त कींगरे, बरसगंढे दी धुप्प ते अक्खर गास

44. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी (A) ( असर्शन ) यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) ( रीज़न ) यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) : कविता दा शाब्दिक अर्थ देई ओड़ने पर बी काव्य-अनुवाद होई सकदा ऐ।

(R) : कविता दा अनुवाद मुक्त छंद रूपा च बी होई सकदा ऐ।

- (1) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या ऐ।  
(2) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या नेई ऐ।  
(3) (A) ठीक ऐ ते (R) गल्ल ऐ।  
(4) (A) गल्ल ऐ ते (R) ठीक ऐ।



45. 'अनुवाद गी मूल दा खाका मात्र आखदे न।' :

- (1) प्रो. रामनाथ शास्त्री (2) केहरि सिंह मधुकर (3) चंचल शर्मा (4) प्रो. लक्ष्मी नारायण

46. संचार माध्यमें दी जिम्मेदारी ऐ :

- (a) समाज गी सजग ते जागृत करने च। (b) देश दे आर्थिक विकास च।  
(c) समाज ते देश गी बंडने च। (d) अमीरें गी होर मता अमीर बनाने च।  
(1) (a), (b) ते (c) ठीक न। (2) (a), (b) ते (d) ठीक न।  
(3) (a) ते (b) ठीक न। (4) (b) ते (c) ठीक न।

47. पैहली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

**चंदी - I**

- (a) ग्राहम बेल  
(b) इंटरनेट  
(c) द रणवीर  
(d) फुलबाड़ी

**चंदी - II**

- (i) मासिक पत्रिका  
(ii) टेलीफोन  
(iii) इलैक्ट्रानिक मीडिया  
(iv) हफ्तावार अखबार

**कोड :**

- |     | (a)   | (b)   | (c)   | (d)  |
|-----|-------|-------|-------|------|
| (1) | (iv)  | (ii)  | (iii) | (i)  |
| (2) | (i)   | (iii) | (iv)  | (ii) |
| (3) | (iii) | (iv)  | (ii)  | (i)  |
| (4) | (ii)  | (iii) | (iv)  | (i)  |

48. अविशकार क्रम दे स्हाबें जन-संचार दे माध्यमें दा स्हेई क्रम ऐ :

- (1) रेडियो, कंप्यूटर, टैलीविजन, मोबाइल (2) टैलीविजन, कंप्यूटर, रेडियो, मोबाइल  
(3) मोबाइल, कंप्यूटर, रेडियो, टैलीविजन (4) रेडियो, टैलीविजन, कंप्यूटर, मोबाइल



49. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी (A) ( असर्शन ) यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) ( रीज़न ) यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) : अज्ज दे समें च पत्रिकाएं दा लगातार छपना सखल्ला नेई ऐ। व्यवसायी पत्रिकां ते फही बी किश समें आस्तै छपदियां रौहदियां न पर साहित्यिक पत्रिकां हर भाशा च बंद होंदियां जा करदिया न।

(R) : आर्थिक मंदी ते परानी तकनीक अपनाई रक्खने करी भारत च मतियां सारियां पत्र-पत्रिकां किश समें अंदर गै छपना बंद होई जंदियां न।

(1) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या ऐ।

(2) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या नेई ऐ।

(3) (A) ठीक ऐ ते (R) गल्ल ऐ।

(4) (A) गल्ल ऐ ते (R) ठीक ऐ।

50. भारत च रंगीन टैलीविजन दा प्रसारण शुरू होआ हा :

(1) सन् 1974 ई.च। (2) सन् 1990 ई.च। (3) सन् 2000 ई.च। (4) सन् 1982 ई.च।

- o o o -



**Space For Rough Work**

